the import of mini blast furnace technology for steel making and pig iron.

लोह अयस्क पिंडों का प्रयोग

775. **श्री अजीत जोगी** : क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस्पात उद्योग द्वारा लौह अयस्क पिंडों का कुल कितनी मात्रा में उपयोग किया जाता है;

(ख) क्या लौह अयस्क पिंडों की आपूर्ति में गिरावट आई है ;

(ग) यदि हां, तो विगत तीन वर्षों के दौरान तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसे पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं या उठाने का विचार है ; और

(घ) क्या लौह अयस्क पिंडों की कमी के कारण बिक्री योग्य इस्पात की मात्रा में गिरावट आई है ?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सन्तोष मोहन देव) : (क) लौह अयस्क पैलेटों के रूप में संपीडित लौह अयस्क का प्रयोग गैस पर आधारित संयंत्रों में स्पंज लोहे/तप्त ब्रिक्वेटिड लोहे के उत्पादन के लिए स्पंज लोहा उद्योग द्वारा किया जाता है । मैसर्स इस्सार गुजरात लिमिटेड जो इस समय देश में लौह अयस्क पैलेट्स का एक मात्र प्रयोक्ता है, के गैस पर आधारित संयंत्र में 1992–93 के दौरान पैलेट्स की खपत लगभग 5.40 लाख टन होने की सूचना दी गई है ।

(ख) और (ग) मैसर्स मांडवी पैलेट्स एम.पी.एल. जिसका संयंत्र बन्द पड़ा था, ने सितम्बर, 1991 से अपना प्रचालन कार्य पुन: शुरू कर दिया है और उसके बाद उसने घरेलू स्पंज लोहा उद्योग को लौह अयस्क पैलेट्स की निम्नलिखित मात्रा की सप्लाई की है :—

1991–92 (सितम्बर-फरवरी)	1.81 लाख टन
1992–93	5.53 लाख टन

इसके अतिरिक्त, कुद्रेमुख आयरन, ओर कम्पनी लिमिटेड जो शत प्रतिशत निर्यातोन्मुखी इकाई है, भी मांग के आधार पर घरेलू स्पंज लोहा उद्योग को लौह अयस्क पैलेटों की सप्लाई कर रही है । पिछले 3 वर्षों के दौरान की गई सप्लाई निम्नासार है :—

1990–91	1.70 लाख टन
1991–92	4.86 लाख टन
1992–93	0.21 लाख टन

1992–93 के दौरान सप्लाई में कमी आई है क्योंकि घरेलू उद्योगों द्वारा कुद्रेमुख आयरन ओर कंपनी लिमिटेड को पहले बताई गई अपनी मांग के अनुसार माल नहीं उठाया गया ।

(घ) 1992–93 के दौरान विक्रेय इस्पात का उत्पादन 1991–92 की तुलना में 7.23% अधिक हुआ ।

Guidelines for the supply of steel products

776. SHRI PARMESHWAR KUMAR AGARWALLA : Will the Minister of STEEL be pleased to state :

(a) whether Government have formulated some guidelines for the supply of steel products to various priority sectors etc. after deregulation ;

(b) if so, how much steel products were supplied immediately before and after deregulation to priority sectors, new units, sick units and the units situated in the backward regions; and

(c) what price has been charged for its products from these before and after deregulation ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF STEEL (SHRI SONTOSH MOHAN DEV) : (a) After de-regulation of pricing and